



AAYTAN ACADEMY

Std-10th GSEB Hindi

Super Revision Sheet for 16.03.26

Answer Key

व्याकरण उत्तरकुंजी

• कहावतों का अर्थ लिखिए –

1. लातों के भूत बातों से नहीं मानते – जो व्यक्ति समझाने से नहीं मानता, उसे कठोर दंड या सख्ती से ही समझाया जा सकता है।
2. दिन दुगुनी रात चौगुनी – बहुत तेज़ी से बढ़ना या प्रगति करना।
3. आम के आम गुठलियों के दाम – दुगुना लाभ होना
4. मुँह में राम बगल में छूरी- कथनी और करनी में अंतर
5. जिसकी लाठी उसकी भैंस- बलवान की ही जीत होती है
6. जैसी करनी वैसी भरनी- अच्छे काम करने पर अच्छा और बुरे काम करने पर बुरा फल मिलता है
7. सौ सुनार की एक लुहार की-कमज़ोर की सौ चोटें बलवान की एक चोट के बराबर होती है

• मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग करें -

1. ठंडी आहें भरना – दुख या निराशा में गहरी साँस लेना।
2. सब्ज़बाग दिखाना – झूठे या असंभव सपने दिखाना, लालच देना।
3. आपे से बाहर होना – बहुत अधिक क्रोधित हो जाना, अपना नियंत्रण खो देना।
4. फूला न समाना – बहुत अधिक प्रसन्न या गर्वित होना।
5. आग बबूला होना – अत्यंत क्रोधित हो जाना।
6. चैन की साँस लेना – चिंता या परेशानी दूर होने पर राहत महसूस करना।
7. खून-पसीना एक करना – बहुत मेहनत करना।
8. दबे पाँव आना – बिना आहट के चपचाप आना, चोरी छिपे आना

• शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए -

1. जिसमें बल न हो – निर्बल
2. जिसका वर्णन न किया जा सके – अवर्णनीय
3. भूख से आतुर – क्षुधातुर
4. जो मिलना कठिन हो – दुर्लभ
5. जिसमें अथाह जल भरा हो – समुद्र
6. रोग निवारण का उपाय – इलाज
7. अधिक उम्र वाला व्यक्ति – वृद्ध
8. आमने-सामने की मुलाकात – साक्षात्कार
9. विवेचनात्मक ज्ञान विषयक ग्रंथ – शास्त्र
10. जन्म देने वाली – जननी
11. गाय रूपी धन – गोधन

• विरोधी शब्द लिखिए -

- | | |
|-----------------------------|------------------------------|
| 1. निर्माण – विनाश / ध्वंस | 10. उपस्थित – अनुपस्थित |
| 2. ध्वंस – निर्माण | 11. सद्व्यवहार – दुर्व्यवहार |
| 3. शिक्षित – अशिक्षित | 12. अधिकतम – न्यूनतम |
| 4. कोमल – कठोर | 13. बेईमान – ईमानदार |
| 5. खर्च – बचत | 14. निराशा – आशा |
| 6. लघुता – महत्ता / गुरुत्व | 15. सृजन – विनाश |
| 7. उत्थान – पतन | 16. अनुराग – विराग |
| 8. पीड़ा – सुख / आनंद | 17. विरोध – समर्थन |
| 9. अनुराग – विराग | |

• पर्यायवाची शब्द लिखिए -

1. पवन – वायु, समीर
2. आँख – नेत्र, नयन
3. विष – ज़हर, गरल
4. वन – जंगल, अरण्य
5. निरंतर – सतत, लगातार
6. सेतु – पुल
7. वसुधा – पृथ्वी, धरती
8. मेधावी – बुद्धिमान, प्रतिभाशाली
9. नभ – आकाश, गगन
10. चाँद – चन्द्र, शशि

11. शबनम – ओस, तुषार
12. जलधि – सागर, समुद्र
13. उत्तरदायित्व – ज़िम्मेदारी
14. गुत्थी – पहेली, रहस्य
15. योग्य – काबिल, समर्थ
16. बीहड़ – दुर्गम, कठिन
17. आशा – उम्मीद, अपेक्षा
18. निकट – पास, समीप

• संधि विच्छेद कीजिए -

1. परमानंद – परम + आनंद
2. सारांश – सार + अंश
3. मनोहर – मनः + हर
4. आशीर्वाद – आशीः + वाद
5. सदिच्छा – सत् + इच्छा
6. उल्लास – उत् + लास
7. स्वागत – सु + आगत
8. प्रत्येक – प्रति + एक

9. अत्यधिक – अति + अधिक
10. पवन – पो + अन
11. नयन – ने + अन
12. महेश – महा + ईश
13. नवोदय – नव + उदय
14. सूर्योदय – सूर्य + उदय
15. मंत्रोच्चारण – मंत्र + उच्चारण

• संधि जोडिये -

1. कंठ + अवरुद्ध → कंठावरुद्ध
2. जगत + ईश्वर → जगदीश्वर
3. उत् + घाटन → उद्घाटन
4. तपः + वन → तपोवन
5. यथा + उचित → यथोचित
6. कमल + ईश → कमलेश
7. परि + आप्त → पर्याप्त

8. सदा + एव → सदैव
9. मनः + हर → मनोहर
10. महा + उदय → महोदय
11. एक + अंत → एकांत
12. इति + आदि → इत्यादि
13. प्रति + ईक्षा → प्रतीक्षा

• कर्तृवाचक संज्ञा लिखिए -

1. शिकार – शिकारी
2. उपदेश – उपदेशक
3. इतिहास – इतिहासकार
4. कला – कलाकार
5. धर्म – धार्मिक
6. झगड़ा – झगड़ालू
7. कृपा – कृपालु
8. चराना – चरवाहा
9. निर्माण – निर्माता
10. बात – वक्ता

• भाववाचक संज्ञा लिखिए -

1. खुश – खुशी
2. नम्र – नम्रता
3. बच्चा – बचपन
4. उदास – उदासी
5. अपना – अपनापन
6. बंधु – बंधुत्व
7. प्रभु – प्रभुता
8. दास – दासता
9. शिष्ट – शिष्टता
10. समान – समानता
11. पशु – पशुता
12. खोखला – खोखलापन
13. साथी – साथ
14. बहुत – बहुतायत
15. मिलना – मिल

• विशेषण संज्ञा लिखिए -

- | | | |
|----------------------|-------------------------|-------------------------|
| 1. क्षण – क्षणिक | 7. देह – दैहिक | 13.अभिमान – अभिमानी |
| 2. वास्तव – वास्तविक | 8. चमक – चमकीला | 14.विज्ञान – वैज्ञानिक |
| 3. दिन – दैनिक | 9. डर – डरावना | 15.अध्ययन - अध्ययनशील |
| 4. बर्फ – बर्फीला | 10.अंत – अंतिम | 16.नियंत्रण – नियंत्रित |
| 5. स्वर्ग – स्वर्गीय | 11.रंग – रंगीला / रंगीन | 17.गाँव – ग्रामीण |
| 6. मखमल – मखमली | 12.सुहाना – सुहावना | |

• समास पहचानिए -

1. हिरणशावक – षष्ठी तत्पुरुष समास
(हिरण का शावक)
2. त्रिभुज – द्विगु समास
(तीन भुजाओं वाला)
3. राजपुरुष – कर्मधारय समास
(राजा का पुरुष / राजा से संबंधित पुरुष)
4. नीलकमल – कर्मधारय समास
(नीला है जो कमल)
5. दोपहर – द्विगु समास
(दो पहरों का समय)
6. कालिदास – तत्पुरुष समास
(काली का दास)
7. नवग्रह – द्विगु समास
(नौ ग्रहों का समूह)
8. रामरत्न – तत्पुरुष समास
(राम रूपी रत्न)

9. सर्वश्रेष्ठ – कर्मधारय समास
(सबसे श्रेष्ठ)
10. जन्मभूमि – तत्पुरुष समास
(जन्म की भूमि)
11. मंत्रोच्चारण – तत्पुरुष समास
(मंत्र का उच्चारण)
12. सदिच्छाएँ – कर्मधारय समास
(अच्छी इच्छाएँ)
13. गिरिधर – बहुव्रीहि समास
(जो गिरि को धारण करने वाला है – भगवान कृष्ण)
14. खून-पसीना – द्वंद्व समास
(खून और पसीना)
15. कुलनाशिनी – तत्पुरुष समास
(कुल का नाश करने वाली)
16. नवजीवन – कर्मधारय समास
(नया जीवन)